पाठ 2 हिंदी कक्षा 5 प्रश्नों के उत्तर

(प्रश्न क) घाघ वर्षा का अनुमान कैसे लगाते थे?

उत्तर-घाघ वर्षा का अनुमान प्रकृति, आसमान और पशु पक्षियों की चाल ढाल देखकर लगा लेते थे।

(ख)राजा भोज के दरबार में अन्य ज्योतिषी घाघ से ईर्ष्या क्यों करते थे?

उत्तर-राजा भोज ने घाघ की योग्यता को देखकर उन्हें अपने राज का राज ज्योतिषी बना दिया जिससे अन्य ज्योतिषी उनसे ईर्ष्या करने लगे ।

(प्रश्न ग)घाघ के हिसाब से वर्षा होने की पूरी संभावना थी फिर भी उन्होंने राजा भोज को इसके बारे में क्यों नहीं बताया?

उत्तर-राज्य के सभी ज्योतिषियों ने वर्षा ना होने की संभावना बताई थी इसीलिए घाघ ने राजा को तुरंत नहीं बताया जबकि उनके हिसाब से वर्षा होने की पूरी संभावना थी।वह एक बार और हिसाब किताब लगा कर देखना चाहते थे कि मेरी संभावना सच है या नहीं इसके बाद ही वह राजा को बताना चाह रहे थे।

(प्रश्न घ) किन किन आधारों पर घाघ को विश्वास हो गया था कि उसका अनुमान सही ह?

उत्तर-निम्न आधारों पर घाघ को विश्वास हो गया कि उसका अनुमान सही है।

१-गधे के कान नीचे लटके देखकर

२-चीटियों का बड़ा दल मुंह में अन्न के दाने दबाए तेजी से अपनी बांबी की ओर बढ़ रही थी यह देख कर।

३ चिड़ियों को धूल में नहाना देखकर।

४ चीलों के झुंड का गोला बनाकर आकाश की ओर बढ़ना देखकर।

(प्रश्न ड.) भेड़ुरी ने वर्षा होने का क्या संकेत बताया?

उत्तर-भेड़ुरी ने वर्षा का संकेत यह बताया कि टिटहरी ने अंडे नाले में दिए थे पर वह उन्हें उठाकर दूसरी तरफ ले जा रही है घबराई हुई सी यह वर्षा होने का संकेत है।